साहित्य संहिता
Available at http://www.sahityasamhita.org/
ISSN- 2454-2695
Volume 03 Issue 08
August 2017

बहुत समानता है

गिरिजा देवी

बहुत समानता है
नेता और अभिनेता में
अभिनेता बदलता रूप
कभी नायक
कभी खलनायक
कभी जोकर
तो कभी लोफर
हर फिल्म में बदलता रूप
बह चाय की चुस्की
कभी बार विस्की
जो दिखाते वे होते नहीं
जो होते है वे दिखाते नहीं
दिखाते है शराब
पर पिटे है पानी
येही है इनकी झूठी कहानी
पर हमारे नेता सुनो बंधू सुनो भ्राता
इनका तो रूप नहीं बदलता
पर इनके एक चेहरे के पीछे
है हजारों चेहरें छिपे
अभिनेता की तो अभिनय करने की भूमिका
पर नेता की मत पूछ भूमिका
नेता जो दिखता है
वही होता भी है
लाख छुपायें अपनी कुकृतियाँ
सामने लाती है मीडिया

ISSN- 2454-2695
Volume 03 Issue 08
August 2017

यही है इंडिया
समाज सेवा के नाम पे
साधते है स्वार्थ
कौन समझ पाया है अबतक
इनके भाषण का अर्थ
करते है हजारों जनता का समय व्यर्थ
हम भी क्या लिखने लगे भावार्थ
होने दीजिये ज हो रहा अनर्थ
पब्लिक फंड है गंगाजल
ये तो बहता पानी है
सब अपना हाथ धो लेते है
येही तो कहानी है
बैठा साहिल देख रहा है
भ्रस्टाचार की मौज-ए- तूफानी है
ले दुबे का सब कुछ एक दिन
बस आप हाथ पे हाथ रखे
की आएगा सुदिन !